21 Feb 22 Industry Expert talk on Digital Transformation through GIS **Technology held at ICFAI University**

रांची आसपास

इक्फाई विश्वविद्यालय में जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

राष्ट्रीय नवीन मेल

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में 'जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन' कैरियर के अवसर पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई।इस आयोजन में वक्ता जीआईएस विशेषज्ञ, श्री राजेश सी माथुर, वरिष्ठ निदेशक-रणनीति, ईएसआरआई इंडिया टेक्नोलॉजीज के थे। ईएसआरआई दुनिया की सबसे बड़ी जीआईएस टेक्नोलॉजी कंपनी है। वेबिनार में पूरे भारत से कई छात्रों, संकाय सदस्यों और कामकाजी पेशेवरों ने भाग लिया। उद्योग विशेषज्ञ वार्ता में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा, व्यक्तिगत जीवन या संगठनों में दिन-प्रतिदिन के 80 प्रतिशत से

भौगोलिक

Morning India Fanchi, Tuesday February 22, 2022

Industry Expert talk on **'Digital Transformation** igedown through GIS Technology held at ICFAI University



pants, Mr Mathursaid, GIS is the of "Where" and can b inte ang Aug aster gent t facilita even in n COVID-19 ps like deter ing rapidly, thereby provid excellent career opport ties to the graduating : dents in Government as as in Corporates", ad MrMathur. Alumni of regard to map ing of public

, alk , alk and a set of the set inar. ing the participants ing the participants R.S. Rao, Vice-r. of the University wer 80% of the day-cisions in personal organisations, time

Ð



अधिक निर्णय समय और स्थान (स्थान) महत्वपूर्ण पहलू हैं। सूचना प्रणाली (जीआईएस) स्थान आधारित सचना के प्रबंधन से संबंधित है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटी आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ जीआईएस का अभिसरण उद्योगों और ई-गवर्नेंस



हमारे कुछ पूर्व छात्रों ने करियर के अवसरों का लाभ उठाया है और

रहे हैं। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए। राजेश माथुर ने कहा, जीआईएस कहा का विज्ञान है और सतत विकास के लिए समाज, संगठनों और सरकार को एकीकृत करने के लिए एक अच्छा मंच हो सकता है। एआई, ऑगमेंटेड रियलिटी, आईओटी आदि जैसी विलय प्रौद्योगिकियों के साथ जीआईएस का एकीकरण स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा, कृषि, जल प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, बुद्धिमान परिवहन आदि जैसे अनुप्रयोगों में स्थितियों की वास्तविक समय टैकिंग, निगरानी और विश्लेषण को सक्षम बनाता है और त्वरित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करता है।

सरकार द्वारा प्रस्तुत जीआईएस

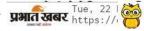
खनन आदि में जीआईएस से

संबंधित परियोजनाओं पर काम कर

जीआइएस करियर का अवसर उपलब्ध करा रहा है : माथूर



रांती डएसआर आड इंडिया टेक्नोलॉजी के वरिष्ठ निदेशक राजेश सी माथुर ने कहा कि जीआइएस के प्रयोग मुख्य रूप से स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा, कृषि, जल प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, परिवहन आदि में वास्तविक समय टैकिंग, निगरानी में हो रहे हैं. इसके आधार पर ही अब व्यक्ति तत्काल निर्णय लेने में भी सक्षम हो रहे हैं. वर्तमान परिद्रश्य में जीआइएस बाजार तेजी से बढ रहा है. श्री माथुर सोमवार को इक्फाइ विवि में जीआइएस टेक्नोलॉजी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन : करियर के अवसर पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में बोल रहे थे. मौके पर कुलपति प्रो ओआरएस राव मौजुद थे.



रांची, मंगलवार 22 फरवरी 2022



इक्फाई विश्वविद्यालय में जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

राज्य

लोकतंत्र भारत संवाददाता

LTB

लोकतंत्र भारत

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, में झारखंड ₹जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तनः कैरियर के अवसर₹ पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई। इस आयोजन में वक्ता जीआईएस विशेषज्ञ, श्री राजेश सी माथर, वरिष्ठ निदेशक-रणनीति, ईएसआरआई इंडिया टेक्नोलॉजीज के थे। ईएसआरआई दुनिया की सबसे बड़ी जीआईएस टेक्नोलॉजी कंपनी है। वेबिनार में परे भारत से कई छात्रों, संकाय सर्दस्यों और



कामकाजी पेशेवरों ने भाग लिया। उद्योग विशेषज्ञ वार्ता में प्रतिभागियों स्वागत करते का ਵਹ के कुलपति विश्वविद्यालय प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा. रव्यक्तिगत जीवन या संगठनों में दिन-प्रतिदिन के 80% से अधिक निर्णय समय और स्थान (स्थान)

महत्वपूर्ण पहलू हैं। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) स्थान आधारित सूचना के प्रबंधन से संबंधित है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्युटिंग, आईओटी जलावङ कप्यूटन, आइआटी आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ जीआईएस का अभिसरण उद्योगों और ई-गवर्नेंस को बदल सकता है। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार मानचित्र डेटा और स्मार्ट शहरों, गांवों की मैपिंग आदि जैसी सार्वजनिक परियोजनाओं के वित्त पोषण के संबंध में अनुकूल नीति के माध्यम से जीओईएस की

तैनाती को प्रोत्साहित कर रही है। प्रो राव ने कहा की मुझे खुशी है कि हमारे कुछ पूर्वे छात्रों ने करियर के अवसरों का लाभ उठाया है और सरकार द्वारा प्रस्तुत जीआईएस खनन आदि से संबंधित जीआईएस परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। प्रतिभागियों को संबोधित करते हए, श्री राजेश माथुर ने कहा, जीआईएस कहां का विज्ञान है और सतत विकास के लिए समाज, संगठनों और सरकार को एकीकृत करने के लिए एक अच्छा मंच हो सकता है।

04

रांची सिटी



इक्फाई विश्वविद्यालय में जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता

जीआईएस ने रोकथाम क्षेत्रों का निर्धारण, दवाओं की आपर्ति श्रंखला प्रबंधन. चिकित्सा देखभाल सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी आदि जैसे क्षेत्रों में कोविड -19 महामारी के प्रबंधन में भी मदद की है। श्री माथुर ने कहा कि जीआईएस बाजार तेजी से बढ़ रहा है, जिससे सरकार के साथ-साथ कॉरपोरेट्स में स्नातक छात्रों को उत्कृष्ट करियर के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। इस मौके पर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों ने जीआईएस में अपने करियर की यात्रा साझा की। कार्यक्रम का संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुब्रत कुमार डे ने किया। प्रो. अरविन्द कुमार, कुलसचिव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

खनन आदि में जीआईएस से संबंधित परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राजेश माथुर ने कहा कि जीआईएस कहां का विज्ञान है और सतत विकास के लिए समाज, संगठनों और सरकार को एकीकृत करने के लिए एक अच्छा मंच हो सकता है। एआई, ऑगमेंटेड रियलिटी, आईओटी आदि जैसी विलय प्रौद्योगिकियों के साथ जीआईएस का एकीकरण स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा, कृषि, जल प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, बुद्धिमान परिवहन आदि जैसे अनुप्रयोगों में स्थितियों की वास्तविक समय ट्रैकिंग, निगरानी और विश्लेषण को सक्षम बनाता है और त्वरित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करता है।



ओआरएस राव ने कहा कि

व्यक्तिगत जीवन या संगठनों में

दिन-प्रतिदिन के 80% से अधिक

निर्णय समय और स्थान (स्थान)

महत्वपूर्ण पहलू हैं। भौगोलिक

सूचना प्रणाली (जीआईएस)

स्थान आधारित सूचना के प्रबंधन

से संबंधित है। आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस, बिजनेस एनालिटिक्स,

क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटी आदि

जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ

जीआईएस का अभिसरण उद्योगों

और ई-गवर्नेंस को बदल सकता है। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार मानचित्र डेटा और स्मार्ट शहरों, गांवों की मैपिंग आदि जैसी सार्वजनिक परियोजनाओं के वित्त पोषण के संबंध में अनुकूल नीति के माध्यम से जीआईएस की तैनाती को प्रोत्साहित कर रही है। प्रो राव ने कहा की मुझे खुशी है कि हमारे कुछ पूर्व छात्रों ने करियर के अवसरों का लाभ उठाया है और सरकार द्वारा प्रस्तुत जीआईएस

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन : कॅरियर के अवसर पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई। इस आयोजन में वक्ता जीआईएस विशेषज्ञ राजेश सी माथुर, वरिष्ठ निदेशक-रणनीति, ईएसआरआई इंडिया टेक्नोलॉजीज के थे। ईएसआरआई दुनिया की सबसे बड़ी जीआईएस टेक्नोलॉजी कंपनी है। वेबिनार में पूरे भारत से कई छात्रों, संकाय सदस्यों और कामकाजी पेशेवरों ने भाग लिया। उद्योग विशेषज्ञ वार्ता में प्रतिभागियों स्वागत करते का हए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो

सन्म

🛚 💪 💿 खबर मन्त्र

www.iive7tv.com

रांची, मंगलवार, 22 फरवरी 2022

इक्फाई विवि में डिजिटल परिवर्तन पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता

प्रो राव ने कहा की मुझे खुशी है कि हमारे कुछ पूर्व छात्रों ने करियर के अवसरों का लाभ उठाया है और सरकार द्वारा पेश जीआईएस खनन आदि में जीआईएस से संबंधित परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। राजेश माथुर ने कहा कि जीआईएस कहां का विज्ञान है और सतत विकास के लिए समाज, संगठनों और सरकार को एकीकृत करने के लिए एक अच्छा मंच हो सकता है। मौके पर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों ने जीआईएस में अपने करियर की यात्रा साझा की। मौके पर वक्ता जीआईएस विशेषज्ञ राजेश सी माथुर, वरिष्ठ निदेशक-रणनीति, ईएसआरआई इंडिया टेक्नोलॉजीज के थे। ईएसआरआई दुनिया की सबसे बड़ी जीआईएस टेक्नोलॉजी कंपनी है। वेबिनार में पूरे भारत से कई छात्रों, संकाय सदस्यों और कामकाजी पेशेवरों ने भाग लिया। संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुब्रत कुमार डे, धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो अरविंद कुमार ने किया।

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन कैरियर के अवसर पर उद्योग विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई। उद्योग विशेषज्ञ वार्ता में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि व्यक्तिगत जीवन या संगठनों में दिन-प्रतिदिन के 80 फीसदी से अधिक निर्णय समय और स्थान (स्थान) अहम पहलू है। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) स्थान आधारित सूचना के प्रबंधन से संबंधित है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटी आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ जीआईएस का अभिसरण उद्योगों और ई-गवर्नेंस को बदल सकता है। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार मानचित्र डेटा और स्मार्ट शहरों, गांवों की मैपिंग आदि जैसी सार्वजनिक परियोजनाओं के वित्त पोषण के संबंध में अनुकूल नीति के माध्यम से जीआईएस की तैनाती को प्रोत्साहित कर रही है।